भारत में वन आवरण: प्रगति और पहल

हाल ही में **केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में **भारत में वनावरण को बढ़ावा देने के लिये** विभिन्न पहलों पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान की।

भारत में वन संरक्षण संबंधी प्रमुख पहलें:

- **भारत में वनावरण:**
  - **भारतीय वन सर्वेक्षण** (Forest Survey of India- FSI), देहरादून द्वारा वर्ष 1987 से **वन आवरण** का द्विवार्षिक (प्रत्येक दो वर्ष पर) आकलन किया जा रहा है और इसके निष्कर्ष [भारत वन स्थिति रिपोर्ट](#) (India State of Forest Report- ISFR) में प्रकाशित किये जाते हैं।
  - ISFR 2021 के नवीनतम आकलन के अनुसार, **भारत का कुल वन और वृक्ष आवरण 8,09,537 वर्ग किलोमीटर में विस्तृत** है, जो **देश के भौगोलिक क्षेत्र का 24.62%** है।
  - यह **ISFR 2019 के मूल्यांकन की तुलना में 2261 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि** और वन संरक्षण प्रयासों में सकारात्मक प्रगति का संकेत देता है।

वनावरण को बढ़ावा देने हेतु सरकारी पहल:

- **ग्रीन इंडिया मिशन**: इसे वित्तीय वर्ष 2015-16 में शुरू किया गया था, यह वनीकरण गतिविधियों पर केंद्रित है।
  - पिछले पाँच वर्षों में वनीकरण प्रयासों में योगदान देने के लिये सत्रह राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेशों को 755.28 करोड़ रुपए जारी किये गए हैं।
- **[राष्ट्रीय वनरोपण कार्यक्रम](#):** इसे नष्ट हुए वनों और आसपास के क्षेत्रों को रिकवर करने के लिये कार्यान्वित किया गया था।
  - राष्ट्रीय वनरोपण कार्यक्रम अब **हरित भारत मिशन** का हिस्सा है।
- **[नगर वन योजना](#)**: यह वर्ष 2020 में शुरू किया गया था, इसका लक्ष्य वर्ष 2024-25 तक शहरी और गैर-शहरी क्षेत्रों में **600 नगर वन** और **400 नगर वाटिका** बनाना है।
  - इस पहल का उद्देश्य हरित आवरण को बढ़ाना, जैव विविधता को संरक्षित करना तथा शहरी निवासियों के जीवन गुणवत्ता में सुधार करना है।
- **[प्रतिपूरक वनीकरण निधि](#) (Compensatory Afforestation Fund- CAF):** इसका उपयोग विकासात्मक परियोजनाओं के लिये आवंटित वन भूमि की भरपाई हेतु प्रतिपूरक वनीकरण के लिये राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा किया जाता है।
  - CAF का 90% पैसा राज्यों के लिये, जबकि 10% केंद्र के लिये होता है।
- **बहु-विभागीय प्रयास:** केंद्रीय पहलों के अलावा संबंधित मंत्रालयों, राज्य सरकारों/केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासनों, गैर-सरकारी संगठनों, नागरिक समाज तथा कॉर्पोरेट निकायों के विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के तहत वनीकरण गतिविधियाँ शुरू की जाती हैं।
  - कुछ उल्लेखनीय प्रयासों में **[महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना](#)**, **[राष्ट्रीय बाँस मिशन](#)** और **[कृषि वानिकी पर उप-मिशन](#)** में भागीदारी शामिल है।
- **राष्ट्रीय वन नीति का मसौदा:** यह नीति **वन प्रबंधन प्रथाओं में जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन उपायों को एकीकृत** करने पर केंद्रित है। यह विशेष रूप से वन-निर्भर समुदायों के बीच जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन पर ज़ोर देता है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न . राष्ट्रीय स्तर पर अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिये कौन-सा मंत्रालय केंद्रक अभिकरण (नोडल एजेंसी) है? (2021)

(a) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
(b) पंचायती राज मंत्रालय
(c) ग्रामीण विकास मंत्रालय

(d) जनजातीय कार्य मंत्रालय

उत्तर: (d)

प्रश्न . भारत का एक विशेष राज्य निम्नलिखित विशेषताओं से युक्त हैः (2012)

1- यह उसी अक्षांश पर स्थित है, जो उत्तरी राजस्थान से होकर जाता है
2- इसका 80% से अधिक क्षेत्र वन आवरणन्तर्गत है।
3- 12% से अधिक वनाच्छादित क्षेत्र इस राज्य के रक्षित क्षेत्र नेटवर्क के रूप में है।

निम्नलिखित राज्यों में से कौन-सा ऊपर दी गई सभी विशेषताओं से युक्त है?

(a) अरूणाचल प्रदेश
(b) असम
(c) हिमाचल प्रदेश
(d) उत्तराखंड

उत्तर: (a)

?????:

प्रश्न. “भारत में आधुनिक कानून की सबसे महत्त्वपूर्ण उपलब्धि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पर्यावरणीय समस्याओं का संवैधानीकरण है।” सुसंगत वाद विधियों की सहायता से इस कथन की विवेचना कीजिये। (2022)

स्रोत:पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/forest-cover-in-india-progress-and-initiatives